

मर्दाना वि. (फा.) पुरुष से संबंधित वस्तु, स्थल अथवा परिस्थिति उदा. मर्दाना कुर्ती, मर्दाना अस्पताल, मर्दाना माहौल।

मर्दित वि. (तत्.) 1. कुचला हुआ अथवा कुचली हुई, मसला हुआ अथवा मसली हुई, जिस का मर्दन किया गया हो 2. नष्ट किया हुआ।

मर्म पुं. (तत्.) 1. भीतर की बात, आशय, तत्त्व 2. गूढ़ अर्थ 3. रहस्यपूर्ण तात्पर्य 4. प्राणियों के शरीर का वह अंग, जिसपर चोट लगने पर, व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो सकता है, मर्म स्थल।

मर्मघाती वि. (तत्.) 1. मन-मस्तिष्क अथवा शरीर को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाला, आघात करने वाला 2. मन-मस्तिष्क अथवा शरीर को बहुत कष्ट देने वाला।

मर्मछंदक वि. (तत्.) 1. हृदय को छेदने वाला, भीतर तक भेदने वाला 2. ऐसा वर्णन जिसकी घात बहुत गहराई तक जाए।

मर्मछेदन पुं. (तत्.) 1. किसी मर्म स्थल को छेदने की क्रिया 2. गंभीर आघात, गहरी चोट।

मर्मछेदी वि. (तत्.) मन-मस्तिष्क को आहत करने वाला, भीतर तक चोट पहुँचाने वाला, संवेदनशील अंग-प्रत्यंग पर आघात करने वाला।

मर्मज्ञ वि. (तत्.) 1. भीतर की बात जानने वाला, तत्त्व का ज्ञाता 2. भेद की बात जानने वाला, रहस्य का पता लगाने वाला 3. किसी ग्रंथ का गूढ़ अर्थ समझने वाला।

मर्म प्रहार पुं. (तत्.) किसी संवेदनशील अंग-प्रत्यंग पर मारी गई गहरी चोट, घातक चोट, भीषण आक्रमण।

मर्म भेद पुं. (तत्.) 1. मन अथवा शरीर के संवेदनशील स्थल पर हुआ आघात 2. किसी की गुप्त बात को प्रकट करने की क्रिया अथवा भाव 3. किसी की दुर्बलता को उजागर करना।

मर्मभेदन पुं. (तत्.) 1. मर्म स्थान पर आघात करने की क्रिया 2. बाण, तीर।

मर्मभेदी वि. (तद्.) 1. मन-मस्तिष्क अथवा शरीर के किसी संवेदनशील अंग को कष्ट पहुँचाने वाला 2. भीतर की बातों को जानने की तीव्र इच्छा करने वाला।

मर्मर पुं. (देश.) 1. हवा के कारण पेड़ के पत्तों से आने वाली आवाज 2. कलफ लगे कपड़ों के हिलने-डुलने से आने वाली आवाज।

मर्मरवीथि स्त्री. (तत्.) ऐसी दीर्घा अथवा ऐसा गोलघर जिसमें फुसफुसाहट की आवाज भी सब को सुनाई दे, ऐसे स्थल की रचना इस रूप में की जाती है कि हल्के से हल्का स्वर भी दीवारों से प्रतिबिम्बित होकर ऊँची आवाज बन जाता है।

मर्मरित वि. (देश.) मर्मर ध्वनि करने वाला, कानों को अच्छी लगने वाली मर्मर ध्वनि करने वाला।

मर्मवचन पुं. (तत्.) ऐसी बात जो अन्तरतम को प्रभावित कर सके, हृदय पर दूरगामी प्रभाव डालने वाली।

मर्मवाक्य पुं. (तद्.) किसी प्रसंग के वाक्यों का ऐसा वाक्य जो रहस्य अथवा आशय व्यक्त करता हो, मार्मिक उक्ति।

मर्मविद् वि. (तत्.) रहस्य अथवा अभिप्राय को जानने वाला, मर्मज्ञ, तत्त्व को जानने वाला, तत्त्वज्ञ।

मर्मवेधी वि. (तत्.) अंतरमन की बातों को जानने की तीव्र इच्छा, रखने वाला, मर्मभेदी।

मर्मस्थल पुं. (तत्.) 1. शरीर के वे कोमल अंग जिन पर लगी चोट घातक हो सकती है जैसे कनपटी, पेट, हृदय, अंडकोश आदि 2. शरीर के संधि स्थान, हालात की कमियाँ या कमजोरियाँ।

मर्मस्पर्शी वि. (तत्.) 1. मन-मस्तिष्क को प्रभावित करने वाला, दिल को छूने वाला 2. हृदय स्पर्श करने वाला।

मर्मस्पृह स्त्री. (तत्.) हृदय से चाहा गया, शिद्दत से चाहा गया, उत्कट इच्छा।

मर्मांग पुं. (तत्.) शरीर का ऐसा अंग जिस पर लगी चोट निश्चित रूप से घातक होती है, अत्यंत नाजुक अंग।